



दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महाराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित ।

दैनिक बुद्ध का संदेश

8795951917, 9415163471

@budhakasandesh

budhakasandeshnews@gmail.com

www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

दृश्यम 3 रिलीज डेट का एलान, 2 ...8

बलरामपुर

शनिवार, 31 जनवरी 2026

वर्ष: 05 अंक : 119 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/-रुपया

एक विश्वास....

सम्पादक : राजेश शर्मा

अंगूर खट्टे हैं, जयराम रमेश पर पीयूष गोयल का तंज, पूछा-चीन को क्यों पहुंचा रहे थे फायदा ? अजित पवार के निधन के बाद एक्शन में एनसीपी मंत्रालय पर दावे के लिए फडणवीस से मिले पार्टी के नेता

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को लेकर कांग्रेस पार्टी की कड़ी आलोचना की, खासकर चीन के साथ हुए समझौतों को लेकर। भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते पर जयराम रमेश के ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए गोयल ने उनकी प्रतिक्रिया को ध्वांगूर खट्टे हैं कहकर संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पार्टी 2006 में चर्चा शुरू करने और 2007 में इसे आगे बढ़ाने के बावजूद समझौते को अंतिम रूप देने में विफल रही। गोयल ने रमेश की आलोचना करते हुए कहा कि उन्हें पेंकवास-विरोधी माना जाता है और पर्यावरण मंत्री के रूप में उन्होंने देश के विकास पथ को अवरुद्ध किया है। मंत्री गोयल ने कांग्रेस पार्टी से



अपने कार्यों का हिसाब मांगा और पूछा कि चीन के साथ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) पर विचार करके उन्होंने भारत के हितों को कैसे खतरे में डाला। उन्होंने सवाल उठाया कि पार्टी ने भारत को क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी (आरसीईपी) में शामिल होने की

अनुमति कैसे दी, जो असल में चीन और भारत के बीच एक मुक्त व्यापार समझौता था। एएनआई से बात करते हुए गोयल ने कहा, प्ये तो अंगूर खाते हैं वाली कहानी है। 2006 में बातचीत शुरू हुई, 2007 में आगे बढ़ी और 2013 में बंद हो गई। उनमें समझौते को अंतिम रूप देने का साहस या इच्छाशक्ति तक नहीं थी। डर के मारे यूपीए और कांग्रेस सरकारें कभी कोई निर्णायक कदम नहीं उठा सकीं। और जयराम रमेश को तो विकास विरोधी माना जाता है, ये तो आप देख ही चुके हैं। पर्यावरण मंत्री रहते हुए उन्होंने देश के विकास की राह रोक दी। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी का रिकॉर्ड इतना खराब है।



मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेताओं ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की और पार्टी प्रमुख और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के विभागों पर अपना दावा जताया। अजीत पवार का बुधवार को विमान दुर्घटना में निधन हो गया था। एनसीपी के वरिष्ठ नेता प्रफुल पटेल, सुनील तटकरे और छगन भुजबल प्रमुख कैबिनेट पदों पर पार्टी का नियंत्रण बरकरार रखने के लिए फडणवीस के श्वर्षा बंगले पर पहुंचे। प्रफुल पटेल ने कहा कि हम पवार परिवार से बात



भावनाओं को ध्यान में रखते हुए जल्द ही फैसला लेंगे। बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए पटेल ने कहा कि पार्टी इस पद को जल्द से जल्द भरना चाहती है, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी निर्णय लोगों की भावनाओं

को ध्यान में रखते हुए लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम महायुति गठबंधन के साझेदार हैं इसलिए अजित पवार के पद को भरने के लिए हमें जल्द से जल्द सही निर्णय लेना होगा। उन्होंने आगे कहा कि साथ ही, मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि कोई भी निर्णय लेने से पहले हमें जनभावना का ध्यान रखना होगा। हमें परिवार को उनके दुख से उबरने के लिए कुछ समय देना चाहिए। हम जल्द ही सुनेत्रा पवार और परिवार के साथ पार्टी के भविष्य के मार्ग पर चर्चा करेंगे।

अजित पवार के अचानक निधन ने एनसीपी के भीतर कई अहम सवाल खड़े कर दिए हैं, जिससे शरद पवार के नेतृत्व वाले प्रतिद्वंद्वी गुट के साथ विलय की अटकलें फिर से तेज हो गई हैं। इससे पार्टी के भावी नेतृत्व को लेकर भी अनिश्चितता का माहौल बन गया है, क्योंकि अजीत पवार के निधन से एक बड़ा रिक्त स्थान उत्पन्न हो गया है। एनसीपी ने रविवार को विधायक दल की बैठक बुलाई है, जहां अजित पवार की पत्नी और राज्यसभा सांसद सुनेत्रा पवार के विधायक दल का नेता चुने जाने की संभावना है।

50 करोड़ तक की परियोजनाओं मंत्री खुद दे सकेंगे मंजूरी

सीएम योगी ने बढ़ाई मंत्रियों की वित्तीय सीमा

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में परियोजनाओं की वित्तीय स्वीकृति प्रक्रिया को तेज, सरल और पारदर्शी बनाने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि विभागीय मंत्री स्तर से मिलने वाली स्वीकृति की सीमा, जो अभी 10 करोड़ रुपये तक है, उसे बढ़ाकर 50 करोड़ रुपये किया जाए। 50 से 150 करोड़ रुपये तक की परियोजनाओं की मंजूरी वित्त मंत्री स्तर से और 150 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली परियोजनाओं की स्वीकृति मुख्यमंत्री स्तर से दी जाए, जिससे परियोजनाओं को समय पर वित्तीय मंजूरी मिले और काम तेजी से आगे बढ़े। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि वे अपनी वार्षिक कार्ययोजना 15 अप्रैल तक हर हाल



में स्वीकृत करा लें। समयसीमा का पालन न करने वाले विभागों की सूची मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजी जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी परियोजना की लागत में 15 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ोतरी होने पर विभाग कारण सहित पुनः अनुमोदन प्राप्त करे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

शुक्रवार को वित्त विभाग की विस्तृत समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने राज्य की राजकोषीय स्थिति, बजट प्रबंन, पूंजीगत व्यय, निर्माण कार्यों की व्यवस्था, एकमुश्त प्रावधान, डिजिटल वित्तीय सुधार, कोषागार प्रक्रियाएँ, पेंशन व्यवस्था और विभागीय नवाचारों पर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश को सुदृढ़, पारदर्शी और रिजल्ट ओरिएंटेड वित्तीय प्रबंधन का आदर्श राज्य बनाना है। इसके लिए सभी विभाग समयबद्धता, गुणवत्ता, पारदर्शिता और डिजिटल प्रक्रियाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उन्होंने निर्देश दिए कि केंद्र सरकार की तर्ज पर उत्तर प्रदेश में राज्य गारंटी पॉलिसी लागू की जाए।

प्रदेश में टकराए भाजपा सरकार के मंत्री-विधायक

एमएलए बोले-मैंने जो किया वह मेरा कर्तव्य, अनुशासनहीनता नहीं

लखनऊ। महोबा जिले में एक दिवसीय महोबा भ्रमण पर आए जलशक्ति मंत्री



स्वतंत्र देव सिंह का युवा उद्घोष कार्यक्रम से लौटते समय भाजपा विधायक बृजभूषण राजपूत और उनके समर्थकों ने काफिला रोक लिया। इस दौरान विधायक व उनके समर्थकों ने जल जीवन मिशन के तहत खोदी गई सड़कों की बदहाली बताई। विरोध के दौरान कार्यकर्ताओं और सुरक्षाकर्मियों के बीच तीखी झड़प हुई।

विधायक ने दी पूरे मामले में प्रतिक्रिया : जनता की सेवा करने के लिए पार्टी ने टिकट दिया। जनता की सेवा करने के लिए किसी को भी रोकना पड़े या धरना देना पड़े तो ये मेरा कर्तव्य है। अपने कर्तव्य से मैं पीछे नहीं हटूंगा। हम लगातार पत्राचार कर रहे हैं। नमामि गंगे योजना छह साल से चल रही है और अभी तक कार्य पूरे नहीं हुए हैं। गांव में सड़कें खुदी पड़ी हैं। जो पाइपलाइन डाली है उनमें लीकेज हैं। जलभराव है, टंकियां टपक रही हैं। ऐसी तमाम समस्याएं हैं। जिसको लेकर हमने मंत्री को अवगत कराया है। उन्होंने बीस दिन का समय मांगा है।

सोनम वांगचुक को जोधपुर जेल के पानी से पेट दर्द

संक्रमण की बात कहकर पत्नी ने लगाई याचिका

नई दिल्ली। कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने उन आरोपों का खंडन किया कि उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा था कि यदि लद्दाख के लोगों की मांगें पूरी नहीं हुईं तो वे युद्ध के दौरान भारतीय सेना की मदद नहीं करेंगे या उन्होंने हिंदू देवी-देवताओं के बारे में अपमानजनक बातें कही थीं। वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंगमो की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिबल ने न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और पी बी वराले की पीठ के समक्ष यह दलील दी, जो राष्ट्रीय सुरक्षा



अधिनियम (एनएसए) के तहत उनकी हिरासत को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर सुनवाई कर रही है। न्यायमूर्ति कुमार ने सिबल से कहा कि हिरासत में लेने वाले अधिकारियों ने एक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दिए गए उनके साक्षात्कार का हवाला

दिया है, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि किसी भी क्षेत्र को जनमत संग्रह के लिए जहां चाहे जाने की छूट है और यदि राज्य का दर्जा देने की मांग और भारतीय संविधान की छठी अनुसूची पूरी नहीं की जाती है, तो लद्दाख के लोग युद्धकाल में भारतीय सेना की मदद नहीं करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की विशेषज्ञ डॉक्टर से मेडिकल जांच कराने का निर्देश दिया।

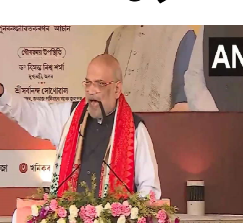
गमछा विवाद पर अमित शाह का राहुल गांधी से तीखा सवाल, पूर्वोत्तर से क्या दुश्मनी है ?

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी द्वारा राज्य की सांस्कृतिक परंपराओं की अवहेलना करने के आरोप में असम के कांग्रेस नेतृत्व को चुनौती दी और सवाल उठाया कि जब कांग्रेस नेता ने राष्ट्रपति के गणतंत्र दिवस समारोह में पारंपरिक गमछा नहीं पहना था, तब पार्टी चुप क्यों रही। डिब्रुगढ़ में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में बोलते हुए, अमित शाह ने असमिया गमछा से जुड़े

विवाद के बीच विपक्ष पर भारतीय जनता पार्टी की आलोचना को और तेज कर दिया। असमिया गमछा का पूरे पूर्वोत्तर में गहरा सांस्कृतिक महत्व है। अमित शाह ने कहा कि सिर्फ राहुल गांधी ने ही पूर्वोत्तर का गमछा नहीं पहना और फिर पूछा कि पूर्वोत्तर से उनकी किस तरह की दुश्मनी है? उन्होंने राहुल गांधी के आचरण की तुलना



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र समेत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस क्षेत्र के प्रति सम्मान के प्रतीक के



रूप में गमछा पहना है। अमित शाह ने इस बात पर जोर दिया कि किसी एक व्यक्ति के कार्यों से क्षेत्रीय परंपराओं का अस्तित्व तय नहीं होता। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जो चाहें करें, लेकिन पूर्वोत्तर की संस्कृति फलती-फूलती रहेगी। गणतंत्र दिवस के स्वागत समारोह की तस्वीरें और वीडियो ऑनलाइन प्रसारित होने के बाद ये टिप्पणियां सामने आईं। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा

समेत भाजपा नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी की हरकतें पूर्वोत्तर विरोधी रुख को दर्शाती हैं। कांग्रेस ने इस आरोप को खारिज करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने पहले पटका पहना था और बाद में बैठते समय उसे उतार दिया था। पार्टी ने यह भी बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत कई अन्य नेता भी समारोह में अलग-अलग समय पर बिना गमछा के नजर आए थे। पार्टी ने भाजपा पर एक

औपचारिक कार्यक्रम का चुनिंदा राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। अमित शाह ने सांस्कृतिक विवाद से परे जाकर कांग्रेस पर असम जैसे सीमावर्ती राज्यों में अवैध अप्रवासन को बढ़ावा देने का आरोप लगाया, ताकि वह अपना राजनीतिक वोट बैंक मजबूत कर सके। उन्होंने कहा कि अवैध अप्रवासन की अनुमति देकर कांग्रेस ने केवल अपना वोट बैंक मजबूत किया है।

पिछले कुछ महीनों में एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट देखी गई। बाजार के आंकड़ों से पता चला कि सोने और अन्य धातुओं में भारी बिकवाली का दबाव है, और डब पब्लिक सूचकांकों में भी व्यापक कमजोरी झलक रही है। सोने और चांदी की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला, जिसके बाद उनमें मामूली स्थिरता आई, जो कमेडिटी बाजार में बढ़ी हुई अस्थिरता को दर्शाता है। वैश्विक बाजारों में कमजोर रुझानों और अमेरिकी मुद्रा में तेजी के कारण चांदी का वायदा भाव 17 प्रतिशत घटकर 3.32 लाख रुपये प्रति किलोग्राम रह गया, जबकि सोना भी प्रतिशत गिरकर 1.54 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। मस्ती कमेडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में मार्च माह में डिलिवरी वाले चांदी वायदा का भाव 67,891 रुपये या 16.97 प्रतिशत घटकर 3,32,002 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया, जो एक दिन में इसकी सबसे बड़ी गिरावट है।



मिछले कुछ महीनों में एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट देखी गई। बाजार के आंकड़ों से पता चला कि सोने और अन्य धातुओं में भारी बिकवाली का दबाव है, और डब पब्लिक सूचकांकों में भी व्यापक कमजोरी झलक रही है। सोने और चांदी की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला, जिसके बाद उनमें मामूली स्थिरता आई, जो कमेडिटी बाजार में बढ़ी हुई अस्थिरता को दर्शाता है। वैश्विक बाजारों में कमजोर रुझानों और अमेरिकी मुद्रा में तेजी के कारण चांदी का वायदा भाव 17 प्रतिशत घटकर 3.32 लाख रुपये प्रति किलोग्राम रह गया, जबकि सोना भी प्रतिशत गिरकर 1.54 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। मस्ती कमेडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में मार्च माह में डिलिवरी वाले चांदी वायदा का भाव 67,891 रुपये या 16.97 प्रतिशत घटकर 3,32,002 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया, जो एक दिन में इसकी सबसे बड़ी गिरावट है।

मनरेगा के नए कानून पर कांग्रेस का हल्ला बोल मोदी सरकार के खिलाफ छेड़ा संग्राम

नई दिल्ली। कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा, सांसद जयराम रमेश और दिल्ली अध्यक्ष देवेंद्र यादव सहित कांग्रेस नेताओं ने राष्ट्रीय राजधानी में वीबी-जी राम जी अधिनियम, 2025 के खिलाफ शमनजीएनआरईगा बचाओ संग्रामश विरोध प्रदर्शन किया। संसद ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के स्थान पर विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम पारित किया, जो भारत की प्रमुख ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना है। पवन खेड़ा ने कहा कि जो सरकार मजदूरों और किसानों का अपमान करती है, वह ज्यादा दिन नहीं टिकती। खेड़ा ने पत्रकारों से कहा कि सभी राज्यों की राजध



नानियों में ऐसे शांतिपूर्ण प्रदर्शन हो रहे हैं। एनआईजीए को बचाना मतलब मजदूरों की आवाज को बचाना है। इस देश में, जिस भी सरकार ने मजदूर और किसान का अपमान किया है, वह ज्यादा दिन नहीं टिक पाई है। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि पुलिस अधिाकारियों ने पार्टी नेताओं को प्रदर्शन करने से रोका। यादव ने कहा कि जब हम शांतिपूर्वक अपना अभियान चला रहे थे, तब हजारों

अधिकारियों ने हमें यहां रोक दिया। लेकिन मैं मोदी सरकार को चेतावनी देना चाहता हूं कि वे किसी भी तरह से हमारे संकल्प को तोड़ नहीं पाएंगे। इसी बीच, केरल में एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने केंद्र सरकार पर नागरिकों के अधिकार छीनने का आरोप लगाया। वेणुगोपाल ने कहा कि पहले तो उन्होंने नए एमएनआईजीए विधेयक के जरिए रोजगार का अधिकार छीन लिया। आर्थिक संवर्धन से यह भी पता चलता है कि सूचना का अधिकार, जो इस देश में आम आदमी के सबसे महत्वपूर्ण अधिकारों में से एक है, अब बेकार हो गया है। उनका इरादा बिल्कुल स्पष्ट है।

कारवाई की जद में आकर सील हो चुकी थी, उसे दोबारा संवाहन की हरी झंडी किन शर्तों पर मिली? क्या दोबारा खुलने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने यहाँ के उपकरणों और विशेषज्ञों की योग्यता की जांच की? कस्बा इटवा में सरेआम चल रहा यह खेल विभागीय मिलीभगत की ओर इशारा कर रहा है। क्षेत्र के नागरिकों ने मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन सिद्धार्थनगर से माँग की है कि इस लेब के पुराने रिकॉर्ड और वर्तमान स्थिति की निष्पक्ष जांच कारवाई जाए। यदि मानकों की अनदेखी पाई जाती है, तो इसे स्थायी रूप से बंद कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए ताकि गरीबों की सेहत के साथ सौदा न हो सके।

संकट पर भारत के नेतृत्व की भूमिका पर विचार करना। प्राचार्य प्रोफेसर अमय कुमार श्रीवास्तव ने सभी आगंतुकों को हार्दिक अभिनंदन एवं अभिनंदन व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में डॉक्टर सोवरन सिंह प्रिंसिपल चंद्रावती नर्सिंग कॉलेज, एचआरपीजी से डॉक्टर शशिकांत राव, बापू पीजी कॉलेज से डॉक्टर सुरेन्द्र सिंह, डॉक्टर भानु गुप्ता, कच्छू कॉलेज बलिया से विवेक कुमार राय, अपने कॉलेज से दिविजय जी, अखिलेश जी, महेश सोनी, बासी रतन सिंह कॉलेज से डॉक्टर हंसराज कुशवाहा ने दक्षिण एशिया में लोकतंत्र की समरथाय पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में आकांक्षी मिश्रा, शुभम मिश्रा, राघवेंद्र सिंह, विनोद जी, प्रोफेसर भारत भूषण द्विवेदी, नसरूल मुतफा खान, डॉ अशोक द्विवेदी, डॉ सुनीता किशोर, गिरिजेश चंद्र मिश्राएवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

The top photograph shows a large audience of men and women seated in a hall with orange drapery. The bottom photograph shows a panel of seven men seated on a stage with a large screen behind them. The panelists include a man in an orange turban and a man in a white turban. The stage is decorated with flowers.

आप लोगों के साथ खड़ी है। सभी को योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। केन्द्र सरकार एवं प्रदेश सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं को लाभ देकर सभी को लाभान्वित किया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री उग्रप्रसाद मोरीय द्वारा गर्भवती महिलाओं की गोदभर्राई तथा बच्चों का अन्नप्राप्तन कराया गया।

समर्पित रचना से लोगों को मातृ-पितृ के प्रति लगाव का संदेश दिया। डाक्टर सीमा मिश्रा के संचालन में संपन्न कार्यक्रम में पंकज सिद्धार्थ, अरुणेश विश्वकर्मा, डाक्टर शरदेंद्र त्रिपाठी, राकेश साहनी आदि ने अपनी उल्लेख्य रचनाओं से श्रोताओं की विविध रसों में सराबोर कर दिया। कार्यक्रम में सांसद जगदंबिका पाल सहित पीडी नागेंद्र मोहन राम त्रिपाठी, डाक्टर संस्था पाठक सहित बड़ी संख्या में श्रोताओं की उपस्थिति रही।

सिद्धार्थनगर को हराकर गोरखपुर ने फाइनल में किया प्रवेश

दैनिक बुद्ध का संदेश



शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित गौतम बुद्ध ऑल इंडिया क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन 4 में शुक्रवार के दिन का मुकाबला गोरखपुर व सिद्धार्थनगर क्रिकेट एसोसिएशन के बीच खेला गया। मैच का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि उपेंद्र प्रताप सिंह एवं नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर अध्यक्ष

बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना है उत्सव कार्यक्रम का उद्देश्य- संजय कुमार

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। जोड़ने, पठन-पाठन आदि पर शुक्रवार को शिवपति इण्टर चर्चा किया गया। आंगनबाड़ी



कॉलेज सभागार में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत बुनियादी साक्षरता और शिक्षा के सार्वभौमिकरण, बच्चों को बुनियादी शिक्षा बेहतर बनाने के लिए हमारा आंगन, हमारे बच्चे (उत्सव) कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें ब्लॉक संसाधन केन्द्र शोहरतगढ़ अंतर्गत क्षेत्र के आंगनबाड़ी कोलोकोटेड स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के साथ समन्वय स्थापित कर तीन से छः साल तक के बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से

एसआईआर के तहत मतदाता सूची शुद्धिकरण अभियान को लेकर पूर्व विधायक ने किया बूथों का निरीक्षण, लोगों को किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश



डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। एसआईआर के अंतर्गत मतदाता सूची शुद्धिकरण अभियान को लेकर विधानसभा क्षेत्र डुमरियागंज में प्रशासनिक प्रक्रिया लगातार जारी है। मैपिंग से छूटे मतदाताओं को जारी नोटिसों के निस्तारण हेतु निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुसार साक्ष्य एवं आवश्यक दस्तावेजों के आधार पर विधानसभा क्षेत्र के लगभग 20

गाँव की समस्या गाँव में समाधान हेतु बढ़नी ब्लॉक के ग्राम पंचायत रोमनदेई एवं चरिगावां में आयोजित हुआ चौपाल कार्यक्रम

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। बढ़नी विकास खण्ड के ग्राम पंचायत रोमनदेई एवं चरिगावां में गाँव की समस्या गाँव में समाधान करने की मंशा को लेकर चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रोमनदेई में चौपाल कार्यक्रम की अध्यक्षता सचिव संजय कुमार तो वहीं चरिगावां में चौपाल कार्यक्रम की अध्यक्षता सचिव अनुपम सिंह ने की। चौपाल कार्यक्रम में मुख्य रूप से पेंशन, पीएम आवास, व्यक्तिगत शौचालय, मनरेगा योजना/जी राम जी (विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण), रोजगार विषयक विभिन्न जानकारी समेत केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही ब्लॉक स्तरीय योजनाओं की जानकारी दी गयी। साथ ही लोगों को स्वच्छता के प्रति भी जागरूक किया। चौपाल कार्यक्रम में आरबीआई बैंक प्रतिनिधि अम्बुज श्रीवास्तव ने बैंकिंग बीमा सेवा आदि जानकारी के साथ मशरूम की खेती, अगरबत्ती, मोमबत्ती, अचार मसाला पावडर बनाने के गृह उद्योगों की जानकारी दी। चौपाल कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के सजी राम जी योजना (पूर्व मनरेगा योजना) पर बृहद चर्चा किया गया।

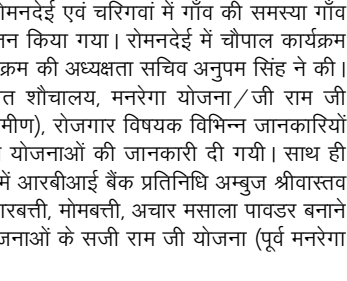
गोविंद माधव रहे। अतिथियों ने प्रतिभाग कर रहे खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनके बेहतर प्रदर्शन को लेकर उन्हें शुभकामनाएं दी और उन्हें उत्साहित किया। प्रतियोगिता में सिद्धार्थनगर के कप्तान पन्नु सरोज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए गोरखपुर ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 231 रन बनाएँ जिसमें संदीप मित्तल

कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना और अभिभावकों को जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि बच्चों को निपुण लक्ष्यों और मूलभूत साक्षरता के प्रति प्रोत्साहित किया जाता है। कार्यक्रम में बुनियादी शिक्षा, शत प्रतिशत बच्चों की उपस्थिति, निपुण लक्ष्यों की प्राप्ति तथा प्री प्राइमरी शिक्षा में बेसिक शिक्षा विभाग के द्वारा किए जा रहे कार्यों की जन जागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया गया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक मुस्तन शेरुल्लाह ने किया। इस दौरान रामविलास यादव, मनोज यादव, लालजी यादव, कुरान हैं प्रवीण यादव, अशोक कुमार, संजीव राम, अम्बरीश श्रीवास्तव, मोहम्मद नैयर सिद्दीकी, दीपक वर्मा, विनीत मिश्रा, हाजरा खातून, जोहरा खातून, सरिता, गीता, अंजलि, राधिका सुनीता, शशिबाला, सीमा श्रीवास्तव, प्रमिला, ज्योति विश्वकर्मा, लक्ष्मी, अंजू,आनंद प्रसाद आदि लोग मौजूद रहे।

सूची से संबंधित प्राप्त नोटिसों का समय से उत्तर देने की अपील की। पूर्व विधायक ने कहा कि मताधिकार लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है और किसी भी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची से हटना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने सभी मतदाताओं से अपने-अपने बूथ अध्यक्ष एवं बीएलओ-02 से संपर्क कर आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने और अपने मतदाधिकार को सुरक्षित रखने

कांग्रेस कमेटी ने एकदिवसीय शांतिपूर्ण धरना दिया

दैनिक बुद्ध का संदेश



बांसी। शुक्रवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर जिला कॉर्डिनेटर प्ननरेगा बचाओ संग्रामप्राजन श्रीवास्तव जिला महासचिव के दिशा निर्देशन में जिला उपाध्यक्ष कृष्ण बहादुर सिंह नेतृत्व में आयोजित बांसी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शिवकुमार दूबे, और मिठवल ब्लॉक अध्यक्ष श्रीपत गौड़, की अध्यक्षता में एकदिवसीय शांतिपूर्ण धरना विकास खंड अधिकांरी कार्यालय पर आयोजित किया गया मांग इस

रवि अग्रवाल, मनीष श्रीवास्तव, विवेक त्रिपाठी, विपिन त्रिपाठी, बेचन प्रसाद, केशव यादव, राहुल चौधरी, चंदन पांडे, वकील खान बाबूजी अंसारी, श्याम सुन्दर चौधरी, श्याम सुन्दर चौधरी सहित अंपायर राहुल सिंह व सत्येंद्र सिंह, कॉमेंटेटर अनवर सिद्दी, स्कोरिंग विशाल यादव और विशाल मौर्य मौजूद रहे तथा लाइव टेलीकास्ट अजय के द्वारा किया गया।

दैनिक बुद्ध का संदेश



दौरान यह मांग किया कि मनरेगा श्रमिकों की दिहाड़ी मजदुरी 400/रुपए किया जाय 126दिन काम न मिलने की स्थिति में दिहाड़ी भत्ता दिया जाय। कार्य की गारंटी दिया जाय धरना के दौरान सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी को उनके पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित कियाद्य धरने में जिला उपाध्यक्ष अभिनव राय, जिला महासचिव सतीश चंद्र त्रिपाठी किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष संतोष त्रिपाठी, कांग्रेस सोशल

एसएमसी व प्रधानाध्यापकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश



शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शुक्रवार को शिवपति इंटर कॉलेज सभागार में विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष व प्रधानाध्यापकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें एसएमसी के कर्तव्य, दायित्व व अधिकार आदि बिंदुओं पर चर्चा किया गया। शुक्रवार को आयोजित प्रशिक्षण के दौरान विद्यालय प्रबंध समिति के गठन, कर्तव्य, दायित्व, निपुण भारत मिशन, तरीके से क्रियान्वित करने के लिए समुदाय व एमसी का सहयोग आवश्यक है। इस

कृष्ण रोग मुक्ति के लिए अधीक्षक ने दिलाई शपथ

दैनिक बुद्ध का संदेश



शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शुक्रवार को शोहरतगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर अधीक्षक डॉ ए. के. आजाद ने जनपद को कुष्ठ रोग से मुक्त करने के लिए आशा कार्यकर्त्री सहित अधीनस्थ कर्मियों को विकसित भारत अभियान के तहत लोगों को शपथ दिलाई। शपथ में कहा कि हम अपने जनपद को कुष्ठ रोग से मुक्त बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। कुष्ठ रोग को पहचानना बहुत आसान है और यह साध्य है। हम सभी

शेरुल्लाह व संदीप ने जानकारी साझा किया। खंड शिक्षा अधिकारी संजय कुमार ने कहा कि विद्यालय प्रबंधन समिति के जरिये विद्यालयों के संचालन व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा सकता है। एसएमसी व अभिभावकों के सहयोग से विद्यालय रुचिपूर्ण वातावरण का सृजन बेहतर किया जा सकता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नामांकन और ठहराव आदि को बेहतर तरीके से क्रियान्वित करने के लिए समुदाय व एमसी का सहयोग आवश्यक है। इस

दैनिक बुद्ध का संदेश



कुष्ठ रोगियों को जितनी जल्दी हो सके खोजने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। हम इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जिले में उपलब्ध सभी संसाधनों का उपयोग करेंगे। इसके साथ हम कुष्ठ प्रभावित व्यक्ति से कोई भेद भाव नहीं करेंगे और ना ही किसी दूसरे व्यक्ति को कुष्ठ रोग प्रभावित व्यक्ति और उसके परिवार के सदस्यों के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव करने देंगे। हम व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्तियों से जुड़े कलंक और भेदभाव को समाप्त करने और उनको समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए अपना पूर्ण योगदान देंगे। हम सभी कलंक एवं भेदभाव के प्रति शून्य सहिष्णुता के लिए भेदभाव समाप्त कर गरिमा सुनिश्चित करने की प्रतिज्ञा लेते हैं। इस दौरान अधीक्षक डॉ ए. के. आजाद, सुरेंद्र पाल, गंगाधर दूबे, मालजी शर्मा, सतीश कुमार, आशा इंद्रावती, मंजू त्रिपाठी, संगीता, सुनीता आदि मौजूद रहे।

टेकनार एवं पकड़ी में चौपाल कार्यक्रम का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ विकास खण्ड के ग्राम पंचायत टेकनार एवं पकड़ी में गाँव की समस्या गाँव में समाधान



करने की मंशा को लेकर चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। टेकनार में चौपाल कार्यक्रम की अध्यक्षता सचिव राम सिंह तो वहीं पकड़ी में चौपाल कार्यक्रम की अध्यक्षता सचिव लाल चन्द चौधरी ने की। चौपाल कार्यक्रम में मुख्य रूप से पेंशन, पीएम आवास, व्यक्तिगत शौचालय, मनरेगा योजना/जी राम जी (विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण), रोजगार विषयक विभिन्न जानकारी समेत केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही ब्लॉक स्तरीय योजनाओं की जानकारी दी गयी। साथ ही लोगों को स्वच्छता के प्रति भी जागरूक किया। चौपाल कार्यक्रम में आरबीआई बैंक प्रतिनिधि संतोष शुक्ला ने बैंकिंग बीमा सेवा आदि जानकारी के साथ मशरूम की खेती, अगरबत्ती, मोमबत्ती, अचार मसाला पावडर बनाने के गृह उद्योगों की जानकारी दी। चौपाल कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के सजी राम जी योजना (पूर्व मनरेगा योजना) पर बृहद चर्चा किया गया। इस दौरान टेकनार में सचिव सिंह, ग्राम प्रधान शिवजती सिंह, ग्राम पंचायत मित्र सुनील सिंह, सफाईकर्मी महेश कुमार व पकड़ी में सचिव लाल चन्द चौधरी ग्राम प्रधान वहींदा खातून, प्रधान प्रतिनिधि अब्दुल अजीज, पंचायत सहायक किरण यादव, सफाईकर्मी सालिबा खातून, अनिरुद्ध आदि मौजूद रहे।

सम्पादकीय

एआई और तकनीक क्रांति के दौर में भारतीय विपुल श्रम शक्ति का बेहतर उपयोग कैसे हो सकता है। भारत दुनिया में सबसे युवा श्रम शक्ति वाला देश है तो क्या हम उनकी योग्यता व क्षमता के अनुरूप रोजगार देने में सक्षम होंगे, ताकि वे विकसित भारत के संकल्प में अपना योगदान दे सकें। जरूरत इस बात की है कि देश में बेरोजगारी की दर कम हो और युवाओं के विदेश पलायन की प्रवृत्ति पर...

देश में आम बजट से पहले सामने आने वाले आर्थिक सर्वेक्षण 2025–26 में वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था को लचीला व गतिशील बनाने पर बल दिया गया है। यह सर्वेक्षण उन चुनौतियों की ओर भी इशारा करता है, जिनके लिए सावधानीपूर्वक नीतिगत निर्णय लेने की आवश्यकता है। दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में चालू वित्तीय वर्ष में भारत के सकल घरेलू उत्पाद दर यानी जीडीपी के 7.4 रहने का भरोसा जताया गया है। वहीं आर्थिक सर्वेक्षण वित्तीय वर्ष 2026–27 में विकास वृद्धि दर के 6.8 से 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। इस अनुमान में सीमापरक तनाव, व्यापार में व्यवधान और वैश्विक बाजारों में अस्थिरता को भी ध्यान में रखा गया है। निश्चित रूप से यह सावधानीपूर्वक दर्शाया गया आशावादी दृष्टिकोण घरेलू मांग, उपभोग और निवेश की मजबूती को ही दर्शाता है। इसके बावजूद कि तमाम बाहरी जोखिम विद्यमान हैं, मसलन टैरिफ को लेकर आपूर्ति शृंखला में तनाव व देश की अपेक्षाओं का संतुलन बनाना शामिल है। यह सार्थक है कि सर्वेक्षण यथार्थवाद को नजरअंदाज नहीं करता है, जो यह भी दर्शाता है कि वैश्विक आर्थिक व्यवस्था पूंजी प्रवाह व मुद्रा की ताकत से ही सफलता सुनिश्चित नहीं होती। यह भी हकीकत है कि एआई जैसी नई तकनीकों से होने वाले लाभ असमानता को ही बढ़ावा देते हैं। लेकिन इसके लिये भी सहायक मानव संसाधन और विनियामक ढांचे की जरूरत होती है। खासकर भारत जैसे देश में जहां श्रम शक्ति का बाहुल्य है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि हम दुनिया में सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देश होने का लाभ उठाएं। इसके लिये कौशल विकास को प्राथमिकता देने की सख्त जरूरत है, जिससे हम गुणवत्तापूर्ण स्वदेशी उत्पादों के जरिये विश्व में आर्थिक स्पर्धा का मुकाबला कर सकें। ये कदम हमारे निर्यात बढ़ाने में भी सहायक हो सकते हैं। कालांतर में ये हमारे व्यापार घाटे को कम करने में भी मददगार साबित हो सकता है। इसमें दो राय नहीं है कि हालिया आर्थिक सर्वेक्षण के जरिये एक महत्वाकांक्षी रोड मैप बनाने का प्रयास किया गया है,

यूजीसी का नया कानून, विवाद और अगली सुनवाई



यशवंत चिंदा ल य अनुदान आयोग (यू जी सी) द्वारा हाल ही में जारी किए गए पञ्चव शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देना विनियम, 2026 के लेकर वर्तमान में काफी विवाद है। सर्वोच्च न्यायालय ने 29 जनवरी, 2026 को इन नियमों पर कड़ी टिप्पणी करते हुए अंतरिम रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश माननीय सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या

बागची की पीठ ने इन नियमों को विभेदकारी और समाज को बांटने वाला बताया। रेगुलेशन 3 सी में नए नियमों में जाति—आधारित भेदभाव की परिभाषा को केवल अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के खिलाफ होने वाले भेदभाव तक सीमित कर दिया गया था। इसमें सामान्य वर्ग की अनदेखी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह नियम इस धारणा पर आधारित है कि भेदभाव केवल एक तरफा होता है। याचिकाकर्ताओं का तर्क था कि यह सामान्य वर्ग के छात्रों को संरक्षण से बाहर रखता है, जो कि समानता के अधिकार (अनुच्छेद 14) का उल्लंघन है। इस कानून में दुरुपयोग की संभावना है। अदालत ने माना कि नियमों की शब्दावली ध्वस्पष्ट है और इसका गलत इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे समाज में विभाजन उत्पन्न हो सकता है। माननीय सी जे आई जस्टिस सूर्यकांत जी ने टिप्पणी की कि आजादी के 75 साल बाद हम एक प्जातिहीन समाज के ओर बढ़ने के बजाय ऐसे नियम ला रहे हैं जो समाज को और अधिक विभाजित कर सकते हैं। फिलहाल पुराने नियम बहाल हैं। कोर्ट ने आदेश दिया है कि जब तक इस मामले का अंतिम फैसला नहीं हो जाता, तब तक 2012 के पुराने यूजीसी नियम ही प्रभावी रहेंगे। इस मामले कीअगली सुनवाई 19 मार्च, 2026 को तय की गई है। जिसमें केंद्र सरकार और यूजीसी को अपना जवाब दाखिल करना है।

लेखक विनय कांत मिश्र/दैनिक बुद्ध का संदेश

वैज्ञानिकों ने अपने अध्ययन में बताया कि जलवायु परिवर्तन नाइट्रोजन संतुलन में क्षेत्रीय अंतर को बढ़ा रहा है। इससे खाद्य असुरक्षित क्षेत्रों को ज़्यादा पैदावार के नुकसान और प्रदूषण के दबाव का सामना करना पड़ता है। सुदृढ़ नाइट्रोजन मैनेजमेंट पर्यावरण को होने वाले नुकसान को कम करता है, साथ ही खाद्य उत्पादन में भी मदद करता है। कुशल उर्वरक...

नया अध्ययन बताता है नाइट्रोजन चक्र परिवर्तन खाद्य उत्पादन, पानी की सुरक्षा, पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य और जलवायु स्थिरता को गहरे तक प्रभावित कर रहा है। जलवायु परिवर्तन ने पृथ्वी पर कई परिवर्तन कर दिए हैं। इनमें से कई परिवर्तन ऐसे हैं जिनसे हम वाकिफ नहीं हैं। बढ़ती गर्मी, बारिश के पैटर्न में बदलाव और कार्बन डाइऑक्साइड के ऊंचे स्तर से फसलों को होने वाला नुकसान हमें दिखाई देता है लेकिन जलवायु के परिवर्तन समूची खाद्य प्रणालियों को कितना प्रभावित कर रहे हैं इसका जरा भी अंदाजा हमें नहीं है। मिट्टी की सतह के नीचे और पौधों के ऊतकों के अंदर चुपचाप परिवर्तन हो रहा है। भूमि पारिस्थितिकी तंत्र में नाइट्रोजन की हलचल अब बदली हुई जलवायु परिस्थितियों पर तेजी से प्रतिक्रिया कर रही है। नाइट्रोजन में ये परिवर्तन खाद्य उत्पादन, पानी की सुरक्षा,पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य और जलवायु स्थिरता को प्रभावित करते हैं। पृथ्वी पर जीवन चक्र में नाइट्रोजन की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। यह तत्व नाइट्रोजन प्रोटीन, एंजाइम और आनुवंशिक सामग्री बनाकर जीवन को सहारा



जलवायु परिवर्तन नाइट्रोजन चक्रों को इस तरह से बदल रहा है जो या तो सतत विकास का समर्थन कर सकता है या पारिस्थितिकी तंत्र को महत्वपूर्ण सीमाओं से परे धकेल सकता है। वैज्ञानिकों ने वैश्विक पारिस्थितिकी तंत्र मॉडल के साथ फील्ड में 30 वर्षों के प्रयोगों का विश्लेषण किया। उन्होंने इसमें विभिन्न जलवायु क्षेत्रों में फसल भूमि, जंगलों और घास के मैदानों को सम्मिलित किया। उन्होंने उर्वरक,

नाइट्रोजन चक्र बदलाव से अन्न—पेयजल संकट

खाद, वायुमंडलीय जमाव और जैविक स्थिरीकरण के रूप में पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़ने वाली नाइट्रोजन पर गौर किया। फसल कटाई, गैस उत्सर्जन के रूप में पारिस्थितिकी तंत्र से बाहर निकलने वाली नाइट्रोजन को भी मापा गया। इस विश्लेषण के असमान परिणाम सामने आए। कुछ स्थानों पर विशिष्ट जलवायु परिस्थितियों में उत्पादकता में वृद्धि देखी गई जबकि अन्य क्षेत्रों में नाइट्रोजन की कमी, प्रदूषण और पैदावार में कमी का अनुभव हुआ। नाइट्रोजन की असमान प्रतिक्रियाएं अब खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण में वैश्विक अंतर को गहरा कर रही हैं। कार्बन डाइऑक्साइड की अ्धिकाता नाइट्रोजन को प्रभावित करती है। वैसे कार्बन डाइऑक्साइड का उच्च स्तर प्रकाश संश्लेषण में सुधार करके पौधों की वृद्धि को बढ़ाता है। गेहूं, चावल, मक्का और सोयाबीन सहित प्रमुख फसलों में अक्सर अधिक पैदावार देखी जाती है।

अधिक कार्बन डाइऑक्साइड की स्थितियों में जंगल और घास के मैदान भी पौधों की सामग्री का अधिक उत्पादन करते हैं। पानी के इस्तेमाल की बेहतर क्षमता पौधों को हल्के सूखे के स्ट्रेस से निपटने में मदद करती है। लेकिन ज्यादा कार्बन डाइऑक्साइड होने पर पौधों के टिशू में नाइट्रोजन कम होती है। अनाज में प्रोटीन की मात्रा कम हो जाती है, जिससे उसका पोषण मूल्य कम हो जाता है। पत्तियों और तनों में भी

जिसके अंतर्गत स्वदेशी अभियान को तरजीह देने से लेकर रणनीतिक लचीलेपन और रणनीतिक अनिवार्यता भारत की आर्थिक क्षमता की परीक्षा लेने वाला साबित हो सकता है। लेकिन इसके लिये जरूरी है कि भारत में उत्पादित वस्तुओं की साख को अंतर्राष्ट्रीय आकांक्षाओं के अनुरूप बनाया जाए। निस्संदेह, विश्व में भारतीय उत्पाद ‘खरीदने के बारे में सोचने’ से स्थिति को ‘बिना सोचे भारतीय उत्पाद खरीदने’ वाली सोच विकसित करना एक बड़ी चुनौती होगी। इस स्थिति के लिये हमें विनिर्माण क्षेत्र को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्धता की सख्त जरूरत होगी। निस्संदेह, हाल ही में यूरोपीय संघ के साथ संपन्न हुए ऐतिहासिक समझौते को लेकर अर्थव्यवस्था में खासा उत्साह देखा जा रहा है, जिसके अर्थव्यवस्था में दीर्घकालिक सकारात्मक प्रभाव की उम्मीद की जा रही है। वहीं दूसरी ओर लंबे समय से लटके हुए भारत—अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता लगातार बनी हुई है। सर्वेक्षण में इस बाबत कहा गया है कि इस वित्तीय वर्ष में इस एफटीए के सिरे चढ़ने की उम्मीद है। लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था का लाभ आम आदमी को कितना मिलता है। सवाल यह भी है कि दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था का लाभ आम आदमी के जीवन को बदलने में कितना मददगार होगा। एआई और तकनीक क्रांति के दौर में भारतीय विपुल श्रम शक्ति का बेहतर उपयोग कैसे हो सकता है। भारत दुनिया में सबसे युवा श्रम शक्ति वाला देश है तो क्या हम उनकी योग्यता व क्षमता के अनुरूप रोजगार देने में सक्षम होंगे, ताकि वे विकसित भारत के संकल्प में अपना योगदान दे सकें। जरूरत इस बात की है कि देश में बेरोजगारी की दर कम हो और युवाओं के विदेश पलायन की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिये पहल की जाए। वहीं दूसरी ओर फिसलन वाली जमीन पर चलते हुए सर्वेक्षण में दो दशक पुराने सूचना के अधिकार अधिनियम के प्राक्धानों में बदलाव की मंशा जतायी गई है। निस्संदेह, ऐसे किसी बदलाव का आधार तार्किक होना चाहिए।

पारिस्थितिकी को नुकसान की जवाबदेही तय हो

यों नहीं सोचता कि पहाड़ नहीं रहेंगे, वन संपदा इसी तरह आग की समिधा बनती रहेगी, तो ग्लेशियर खत्म हो जाएंगे, उस दशा में नदियां व अन्य जलस्रोत सूख जाएंगे और हम पानी की एक—एक बूंद के लिए तरसेंगे। तब क्या होगा ? इस बारे में आमजन को भी सोचना होगा कि पहाड़ रहेंगे, वनस्पति रहेगी, हरियाली रहेगी तो पर्यावरण सुरक्षित रहेगा। पर्यावरण सुरक्षित रहेगा तो हमारा जीवन सुरक्षित रहेगा...

फूलों की घाटी में लगी आग में वन संपदा के अलावा बड़ी संख्या में औषधीय पौधे, पक्षी, वनस्पति, वन्य—जीवों के आवास, पारिस्थितिकीय तंत्र स्वाह हुआ है। इसमें किसी स्तर पर निगरानी व प्रबंधन तंत्र की खामी तो है ही। नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान के बफर जोन के अंतर्गत आने वाली फूलों की घाटी देश—दुनिया में मशहूर है। उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित यूनेस्को द्वारा घोषित विश्व धरोहर है। धरती का स्वर्ग कहा जाने वाला यह बायोस्फीयर रिजर्व, हिम तेंदुआ और हिमालयी भालू और ब्रह्मकमल आदि जैसी असंख्य दुर्लभ प्रजातियों के लिए विख्यात है। हर साल हजारों पर्यटक कुदरत की खूबसूरती देखने यहां आते हैं। लेकिन यह बेहद संवेदनशील जगह बीती नौ जनवरी से लगी आग से लगातार धक्क रही है।

फूलों की घाटी में सबसे पहले पेनावडी और भ्यूंडार रेंज की पहाड़ियों पर आग लगी थी। समस्या यह है कि अलकनंदा और लक्ष्मण गंगा नदियों के बीच स्थित ऊंची चट्टानों, पेड़—पथर गिरने और जलते पेड़ों के चलते यहां राहत व वनकर्मियों का आग बुझाने के लिए पहुंचना बेहद मुश्किल साबित हो रहा है। यहां न सड़क है और न पैदल रास्ता। एसडीआरएफपी भी मौके पर नहीं पहुंच पा रही। वहीं अत्याधुनिक उपकरणों व संसाधनों का अभाव है। सूखी झाड़ियां,पत्तियां, सूखे पेड़ भी आग को फैला रहे



गढ़ रेंज में बद्रीनाथ की निजमुला घाटी व गौणा गांव के जंगलों में लगी आग पर आंशिक रूप में काबू पाया है। लेकिन अभी 15 हैक्टयर से ज्यादा इलाका धक्क रहा है।

हकीकत यह है कि नीचे की ओर लगी आग बुझाने में तो वनकर्मी जुटे हुए हैं लेकिन दुर्गम इलाके में खड़ी चट्टानों पर लगी आग पर काबू पाने में प्रशासन खुद को असमर्थ पा रहा है। चिंताजनक यह भी कि फायर सीजन से पहले ही यानी सर्दियों के मौसम में उत्तराखंड के जंगल धक्क रहे हैं। जबकि अभी न बारिश है और न ही बर्फबारी हुई। ऐसे में अप्रैल— मई में जब तापमान 35—40 से ऊपर पहुंचेगा, तब क्या होगा? इन हालात से उत्तराखंड के गढ़वाल

और कुमाऊं दोनों अंचल अछूते नहीं। उत्तरकाशी में वरणावत के पहाड़ी क्षेत्र, दशोली के निजमुला घाटी, पेनखंडा, पौड़ी के जामणाखाल, लाता, मैसूल और कुमाऊं केअल्मोड़ा मेंहवालवड़,नहला और पाटलीबगड के जंगल कई दिनों से धक्क रहे हैं, उनपर भी अंकुश नहीं लग सका है। हवा के साथ आग और फैल रही है। जबकि मौसम विभाग की मानें तो अगले 10 दिनों तक बारिश की कोई संभावना नहीं। वह बात दीगर है कि राहत कार्य में मदद के लिए वायु सेना के एमआई 16 हेलीकॉप्टर बांबी बकेट आपरेशन के लिए जोझीमट में तैनात है। लेकिन उनका उपयोग प्रशासन हवाई सर्वे और आग की तीव्रता व भयावहता के आकलन के अलावा आपदा प्रबंधन के बीच समन्वय के बाद ही कर सकेगा। वायु सेना और वन विभाग बांबी बकेट आपरेशन के मुद्दे पर सोशल मीडिया में वायरल एक वीडियो के मामले में बहस में उलझे हुए हैं। वायु सेना आग बुझाने में टिहरी—श्रीनगर उेम से पानी लाने में दिक्कत, पानी के स्रोत पास में नहीं होने और लॉजिस्टिक्स में मुश्किलों की बात कर रही है।

विचारणीय यह है कि वन विभाग केवल इतना कह रहा है कि जंगल की आग में सूखे पेड़ों के गिरने की वजह से बढ़ोतरी हुई है। वह यह बताने में नाकाम है कि आग कैसे लगी,किसने लगायी,असामाजिक तत्वों का तो इसमें हाथ नहीं है या फिर शार्ट्सकॉर्ट से लगी या फिर चरवाहों ने लगायी। दरअसल जंगल की आग

में बढ़ोतरी में लापरवाही की अहम भूमिका है। यदि वह समय रहते विभाग सक्रिय हुआ होता तो इतना नुकसान नहीं होता। गौरतलब है कि इस आग में करोड़ों की लकड़ी ही नहीं जली है, लाखों औषधीय पेड़—पौधे, पक्षी, वनस्पति, वन्य—जीवों के आवास, पारिस्थितिकीय तंत्र स्वाह हुआ है। डीएफओ चेतना कांडपाल भी इसे स्वीकारती हैं। सवाल है कि इस आग के लिए कौन जिम्मेदार है। क्या हर साल की तरह इस आग का मुद्दा भी फाइलों में दफन हो जायेगा। पहाड़ों पर आग लगने की घटनाएं तो हर साल होती हैं। क्या हमने उनसे कोई सबक सीखा है? पर्यावरण संरक्षण की बात करने वाली सरकारें हकीकत में पर्यावरण संरक्षण के प्रति गंभीर होनी चाहिए।

इस लापरवाही के लिए जवाबदेह तंत्र यह क्यों नहीं सोचता कि पहाड़ नहीं रहेंगे, वन संपदा इसी तरह आग की समिधा बनती रहेगी, तो ग्लेशियर खत्म हो जायेंगे, उस दशा में नदियां व अन्य जलस्रोत सूख जायेंगे और हम पानी की एक—एक बूंद के लिए तरसेंगे। तब क्या होगा? इस बारे में आमजन को भी सोचना होगा कि पहाड़ रहेंगे, वनस्पति रहेगी, हरियाली रहेगी तो पर्यावरण सुरक्षित रहेगा। पर्यावरण सुरक्षित रहेगा तो हमारा जीवन सुरक्षित रहेगा। जिस तरह जलवायु परिवर्तन हमें चेतावनी दे रहा है, उसे देखते हुए हमें भी सावधानी बरतनी होगी। देवभूमि उत्तराखंड के जंगल बचाने की जिम्मेवारी हम सबकी है। अरावली प्रकरण एक चेतावनी है कि अब भी समय है, संभल जाओ।

1 को तेज करता है। तेजी से अपघटन से नाइट्रोजन हवा और पानी में निकलती है। ऐसे में अमोनिया, नाइट्रस ऑक्साइड और नाइट्रोजन ऑक्साइड का उत्सर्जन काफी बढ़ जाता है। नाइट्रेट ज्यादा तेजी से भूजल और नदियों में मिल जाता है। ऐसी स्थितियों में वायु प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और पानी का प्रदूषण बढ़ जाता है। कम संसाधनों वाले क्षेत्रों को नाइट्रोजन की कमी और खाद्य असुरक्षा से ज्यादा नुकसान होता है। बारिश के पैटर्न होने वाले बदलाव नाइट्रोजन के व्यवहार को बहुत ज्यादा नियंत्रित करते हैं। बढ़ी हुई बारिश पानी के स्ट्रेस को कम करके सूखे क्षेत्रों में पौधों की ग्रोथ में मदद करती है। शुष्क क्षेत्रों में घास के मैदान टोस उत्पादकता लाभ के साथ प्रतिक्रिया करते हैं।

सिद्धार्थनगर का सबसे बड़ा फ़िटींग पब्लिकेशन हाउस... **मिस्त्रीभीखुईऔरअनिकईआईई**

बुद्ध पब्लिकेशन
ऑफसेट एण्ड प्रिन्टर्स

जो.एस.टी. शिव बुक/कॉपी • कार्यालय ऑफ़सेट • स्कूल कॉपी/कॉपी/बयरी • फ़ायरफ़्लैट • कॉलर पोस्टर • कॉलर डिजिटल कार्ड • डैकट लेट पेंड • बैंक फॉर्म

मिक्ट-टीरो एजेंसी, बीनाद मधुकरपुर-सिद्धार्थनगर (उ.प्र.)

☎ 8795951917, 9453824459

© 2024 by www.budhakasandesh.com
All rights reserved. budhakasandesh.com@gmail.com

भी मरीज के साथ भेदभाव न होने दें। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार द्वारा कुष्ठरोग का उपचार निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। शपथ ग्रहण कार्यक्रम में चिकित्सालय के सभी अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे, जिन्होंने कुष्ठरोग के उन्मूलन, पीड़ितों के प्रति सहानुभूति रखने, समाजिक भेदभाव समाप्त करने तथा जनजागरूकता बढ़ाने में संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में अधीक्षक द्वारा सभी उपस्थित कर्मचारियों को राष्ट्रीय कुष्ठरोग उन्मूलन कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का निर्देश दिया गया। कार्यक्रममातात्विक शांतिपूर्ण एवं सकारात्मक वातावरण में संपन्न हुआ।

नेटफिलक्स पर फिर होगा क्राइम का पर्दाफाश, कोहरा 2 की रिलीज तारीख का ऐलान

ओटीटी पर कोहरा की अपार सफलता के बाद, बरुण सोबती और उनकी टीम एक नए सीजन कोहरा 2 के साथ वापसी कर



रहे हैं। इस बार मोना सिंह एक सख्त पंजाबी पुलिस अधिकारी के रूप में शो में शामिल हो रही हैं। आज निर्माताओं ने कोहरा 2 की ओटीटी रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। जानिए कब और कहाँ देख सकेंगे बरुण सोबती और मोना सिंह की यह सीरीज। कोहरा 2 11 फरवरी 2026 से नेटपिलक्स पर स्ट्रीमिंग शुरू हो जाएगा। यह सीरीज केवल नेटपिलक्स पर उपलब्ध है। आज मेकर्स ने एक कोहरा 2 का नया पोस्टर शेयर किया। इसके साथ कैप्शन में लिखा, धुंध में सच खो जाता है, आइए इस नए शहर में सच को ढूँढ़ें। यह सीरीज क्राइम, रहस्य और ड्रामा से भरी होगी। पॉपुलर वेब सीरीज कोहरा का दूसरा सीजन अब वापस आ रहा है। पहला सीजन काफी पसंद किया गया था। इस सीजन में नया केस, नई कहानी और नई जोड़ी दिखेगी। इस सीरीज में बरुण सोबती दोबारा असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर अमरपाल गरुंडी के किरदार में लौट रहे हैं। इस बार उनके साथ मोना सिंह नई कमांडिंग ऑफिसर धनवंत कौर के रोल में दिखेंगी।

दृश्यम 3 रिलीज डेट का एलान, 2 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देगी मोहनलाल की फिल्म

मोहनलाल की बहुप्रतीक्षित फिल्म दृश्यम 3 का इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है. मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट अनाउंस कर दी है. रिलीज डेट को मेकर्स ने सोशल मीडिया पर ऑफिशियली अनाउंस किया. यह डेट काफी खास है, क्योंकि यह अजय देवगन



से जुड़ा हुआ है. इस अनाउंसमेंट से फ्रेंचाइजी के फैंस में काफी दिलचस्पी पैदा हुई है, जो जॉर्जकुट्टी की कहानी के आगे बढ़ने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे. दिलचस्प बात यह है कि मोहनलाल की दृश्यम 3 हिंदी रीमेक से छह महीने पहले रिलीज होगी. इस अनाउंसमेंट के साथ मोहनलाल ने एक वीडियो पोस्ट भी किया गया, जिसमें फैंस को कहाँ भी डिटेल बताए बिना फिल्म की एक झलक दिखाई गई. फिल्म की रिलीज के बारे में जानकारी देते हुए मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल ने एक्स हैंडल पर अनाउंसमेंट टीजर शेयर किया है और कैप्शन में लिखा है, साल बीत गए, लेकिन अतीत नहीं बीता, दृश्यम3 वर्ल्डवाइड रिलीज 2 अप्रैल, 2026. मलयालम फिल्म दृश्यम 3 2 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, मोहनलाल की फिल्म दृश्यम 3 की शूटिंग दिसंबर 2025 में पूरी हो गई थी. मेकर्स ने रैप-अप वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया था. वहीं, अजय देवगन के हिंदी वर्जन की रिलीज 2 अक्टूबर, 2026 को तय है. दिसंबर 2025 में, हिंदी वर्जन के मेकर्स ने इसका प्रोमो ऑनलाइन जारी कर इसकी जानकारी दी थी. आगामी फिल्म में मोहनलाल मुख्य भूमिका में वापसी कर रहे हैं, उनके साथ मीना, अंसीबा हसन, एस्थर अनिल, आशा शरथ, मुरली गोपी, सिद्दीकी और अन्य कलाकार अपनी भूमिकाओं को दोहराएंगे. फिल्म मेकर्स ने अभी तक फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है, लेकिन जाने-माने कलाकारों की मौजूदगी ने फिल्म की रिलीज को लेकर उत्साह बढ़ा दिया है. यह फिल्म अजय देवगन के लिए एक तोहफा होगा, क्योंकि मोहनलाल की यह फिल्म अजय देवगन के जन्मदिन पर यानी 2 अप्रैल को रिलीज हो रही है.

बॉर्डर 2 बॉक्स ऑफिस: भारत में 250 करोड़ के करीब पहुंची फिल्म, छठे दिन हुआ इतना कलेक्शन



बॉर्डर 2 अपना पहला हफ्ता पूरा करने जा रही है. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अपने छह दिन पूरे कर लिए हैं. फिल्म ने अपने पहले वीकेंड शानदार कलेक्शन किया और फिर इसके बाद फिल्म की कमाई गिरना शुरू हो गई. पांचवें और छठे दिन बॉर्डर 2 का कलेक्शन डाउन हुआ है. हालांकि फिल्म अभी भी बॉक्स ऑफिस पर स्ट्रॉन्ग कंडीशन में है. सनी देओल, वरुण धवन, अहान शेट्टी और दिलजीत दोसांझ स्टारर फिल्म बॉर्डर 2 घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 5 दिनों में 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है और अपने दूसरे वीकेंड में कमाई का यह आंकड़ा 300 करोड़ रुपये पहुंचाने की कोशिश करेगी. इससे पहले जाएंगे फिल्म ने छठे दिन कितनी कमाई की है.

बॉर्डर 2 ने पहले ही दिन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 32.10 करोड़ रुपये से खाता खोला था. दूसरे दिन फिल्म ने 40.59 करोड़ रुपये कमाए और तीसरे दिन यानी पहले रविवार फिल्म ने 57.20 करोड़ रुपये कमाकर शानदार वीकेंड पूरा किया. बॉर्डर 2 ने पहले वीकेंड 129.80 करोड़ रुपये कमाए. फिल्म ने रपब्लिक डे पर 63.59 करोड़ रुपये की कमाई की थी. पांचवें दिन मंगलवार को फिल्म ने 23.31 करोड़ रुपये का कारोबार किया. इसी के साथ बॉर्डर 2 का पांच दिनों का कुल नेट घरेलू ऑफिशियल कलेक्शन 216.79 करोड़ रुपये हो गया.अब सैकनलिक की मानें तो फिल्म ने 13 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. छठे दिन फिल्म का ऑक्यूपेंसी रेट 16.78 फीसदी रहा.

हाल ही में, बॉर्डर 2 के हिट होने के दौरान फिल्म के तीसरे पार्ट बॉर्डर 3 का भी ऐलान हो चुका है. फिल्म के प्रोड्यूसर भूषण कुमार और निधि दत्ता ने बॉर्डर 3 की गुडन्यूज फैंस को दी और अब फिल्म की रिलीज डेट का इंतजार किया जा रहा है. वहीं, बॉर्डर 2 की बात करें तो इसका निर्देशन अनुराग सिंह ने किया है. फिल्म में सनी देओल, वरुण धवन, अहान शेट्टी, दिलजीत दोसांझ, मेधा राणा, सोनम बाजवा और अन्या सिंह लीड रोल में हैं. फिल्म में अक्षय खन्ना का भी कैमियो दिखाया जा रहा है.

मोना सिंह महिलाओं को एक्सपायरी डेट मिलने पर बोलीं— मुझे उम्र की परवाह नहीं

जस्सी जैसी कोई नहीं टीवी शो से लोकप्रिय हुई मोना सिंह इन दिनों धड़ाधड फिल्मों और सीरीज कर रही हैं। हाल ही में उन्हें बॉर्डर 2 और हैप्पी पटेल जैसी फिल्मों में देखा गया। अब उनकी सीरीज कोहरा 2 नेटपिलक्स पर आने के लिए तैयार है। प्रमोशन



के दौरान 40 वर्षीय मोना ने पर्दे पर 50 और 60 साल की उम्र के किरदार पर बात की। साथ ही सिनेमा जगत में महिलाओं को एक्सपायरी डेट दिए जाने पर प्रतिक्रिया दी।

अभिनेत्री बोलीं, मुझे पर्दे पर अपनी उम्र की परवाह नहीं। सच में नहीं, क्योंकि मैं बहुत आत्मविश्वासी हूं और मैं जानती हूं कि मैं कौन हूं। मुझे कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है, इसीलिए मैं जोखिम लेती रहती हूं। लोग हमेशा मुझसे पूछते हैं, आप पर्दे पर इतनी उम्रदराज क्यों दिखती हैं? मैं कहती हूं कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। ये वो किरदार हैं जिसे मैं निभा रही हूं। ये मुझे उत्साहित करता है। उन्होंने आगे कहा, सिनेमा में महिलाओं के लिए एक समय सीमा तय कर दी जाती है। ये बेहद दुखद है। 60 साल के अभिनेता अभी भी रोमांटिक मुख्य किरदार निभा सकते हैं, लेकिन अभिनेत्रियां नहीं। हालांकि मुझ इसकी परवाह नहीं क्योंकि मैं वैसी बनना ही नहीं चाहती थी। गुंजित चोपड़ा, डिग्गी सिसोदिया और सुदीप शर्मा द्वारा निर्मित कोहरा 2 नेटपिलक्स पर 11 फरवरी को दस्तक देगी। मोना सीरीज में दमदार पुलिस अधिाकारी की भूमिका निभा रही हैं।

साधारण गुलाबी टॉप को इन तरीकों से कर सकती हैं स्टाइल, हर मौके पर लगेंगी सुंदर



गुलाबी रंग हमेशा से महिलाओं में लोकप्रिय रहा है। इस रंग के कपड़े हर रंगत वाली महिला के ऊपर अच्छे लगते हैं। हर महिला की अलमारी में कोई न कोई साधारण गुलाबी टॉप जरूर होता है, जिसे कई तरीकों से स्टाइल किया जा सकता है। आज के फैशन टिप्स में हम आपको गुलाबी टॉप को स्टाइल करने के 5 बेहतरीन तरीके बताएंगे। इन्हें अपनाकर आप हर मौके और अवसर पर इसे पहन सकेंगी और सुंदर दिखेंगी।

जींस के साथ रोजमर्रा का लुक

साधारण गुलाबी टॉप को जींस के साथ पहनना हमेशा एक अच्छा विकल्प होता है। यह मेल न केवल आरामदायक होता है, बल्कि आपको एक स्टाइलिश लुक भी दे सकता है। आप इसके साथ सफेद या हल्के नीले रंग की जींस पहन सकती हैं। यह आउटफिट खास तौर से कॉलेज जाने या मूवी डेट आदि के लिए बढ़िया रहता है। इसके साथ आप सफेद जूते या चप्पलें पहन सकती हैं, जिससे आपका लुक पूरा हो जाएगा।

स्कर्ट के साथ उत्सव वाला लुक

अगर आप किसी त्योहार या पार्टी में जाने वाली हैं तो गुलाबी टॉप को लंबी स्कर्ट के साथ पेयर करें। यह मेल आपको एक खास अंदाज देगा, जो पारंपरिक और आधुनिक लुक का मेल होगा। आप इस आउटफिट को स्टाइल करने के लिए छोटे ऑक्सीडाइज्ड झुमके और कड़े भी पहन सकती हैं। आप सफेद या पीले जैसे रंगों वाली स्कर्ट चुन सकती हैं, जो गुलाबी रंग को कॉम्प्लिमेंट करती हो। इसके साथ आप स्कार्फ या दुपट्टा भी ओढ़ सकती हैं।

शॉर्ट्स के साथ गर्मियों वाला लुक: गर्मियों में गुलाबी टॉप के साथ शॉर्ट्स पहनकर आपको स्टाइलिश और कूल लुक मिल जाएगा। टॉप को डेनिम शॉर्ट्स के साथ पहनें या फिर कॉटन के शॉर्ट्स के साथ स्टाइल करें। इस आउटफिट में आपको गर्मी नहीं महसूस होगी और आप आरामदायक भी रहेंगी। इसके साथ आप पिलप फ्लॉप या सैंडल पहन सकती हैं, जिससे आपका लुक पूरा हो जाएगा। यह कैजुअल लुक घूमने जाने के लिए बढ़िया रहेगा और कॉलेज के लिए भी आदर्श होगा।

ब्लेजर के साथ ऑफिस वाला लुक: अगर आप ऑफिस जाती हैं और चाहती हैं कि आपका लुक पेशेवर लगे तो गुलाबी टॉप को ब्लेजर के साथ कैरी करें। इस आउटफिट के लिए आप काले, सफेद या ग्रे रंग का ब्लेजर चुन सकती हैं, जो पेशेवर लगेगा। इसके साथ आप कॉटन की पैंट या पेंसिल स्कर्ट पहन सकती हैं, जिससे आपका लुक और भी खास लगेगा। पैरों में किटन हील पहनें, ताकि आप थोड़ी लंबी लगें और आकर्षक भी दिखाई दें।

धोती पैंट के साथ पारंपरिक लुक: धोती पैंट के साथ भी गुलाबी टॉप स्टाइल किया जा सकता है। इसे पहनकर आप पारंपरिक और आधुनिकता का बेहतरीन मेल बना सकती हैं। यह मेल न केवल आरामदायक होता है, बल्कि एक अनोखा रूप भी देता है। इसके साथ आप हल्के गहने पहनकर अपने लुक को और भी खास बना सकती हैं। इस तरह आप एक ही गुलाबी टॉप में हर मौके पर अलग-अलग अंदाज में नजर आ सकती हैं।